दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-१ ला | अंक-३४१ वा | शुक्रवार १८ जुलै २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

विधान भवन में हंगामा: विधायक गोपीचंद पडळकर के समर्थकों ने जितेंद्र आव्हाड के कार्यकर्ताओं पर किया हमला

रिपोर्ट: जमीर काज़ी, मुंबई (१७ जुलाई २०२५)

मुंबई में गुरुवार को महाराष्ट्र विधानमंडल परिसर में उस समय भारी हंगामा खड़ा हो गया जब भाजपा विधायक गोपीचंद पडळकर और राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरद पवार गुट) के नेता विधायक जितेंद्र आव्हाड के समर्थकों के बीच मारपीट हो गई। विधान भवन की लॉबी में सुरक्षा में तैनात सादी वर्दी और खाकी वर्दी में सैकड़ों पुलिसकर्मियों की मौजूदगी के बावजूद पडळकर समर्थकों ने अचानक जितेंद्र आव्हाड के कार्यकर्ता नितीन देशमुख पर हमला कर दिया। देखते ही देखते गाली-गलौच, हाथापाई और कपड़े फाड़ने जैसी घटनाएं हुईं। यह दृश्य महाराष्ट्र विधानमंडल के इतिहास में पहली बार देखने को मिला।

विवाद का पृष्ठभूमि

बीते कुछ दिनों से विधायक गोपीचंद पडळकर और विधायक जितेंद्र आव्हाड के बीच तीखी बयानबाजी चल रही थी, जो अब सीधे मारपीट तक पहुंच गई।

जितेंद्र आव्हाड ने इस पूरे घटनाक्रम को लेकर आरोप लगाया कि उन पर जानलेवा हमला करने की साजिश रची गई थी। वहीं, गोपीचंद पडळकर ने घटना की जानकारी होने से इनकार करते हुए खेद व्यक्त किया।

विधानसभा अध्यक्ष की प्रतिक्रिया

विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने इस घटना को गंभीर बताते हुए सुरक्षा विभाग से विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री फडणवीस से आव्हाड व जयंत पाटील की मुलाकात

घटना के बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस नेता

जयंत पाटील और विधायक जितेंद्र आव्हाड ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से भेंट कर शिकायत दर्ज कराई। साथ ही भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुळे से भी संपर्क किया गया।

जितेंद्र आव्हाड का तीखा हमला - अगर विधायक ही सुरक्षित नहीं, तो क्यों रहें विधायक?

हमले के बाद जितेंद्र आव्हाड ने मीडिया से बातचीत में तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा,

विधानसभा में अगर गुंडों को घुसने दिया जाएगा और वे हमला करेंगे, तो विधायक कैसे सुरक्षित रहेंगे? मुझ पर गंदी गालियाँ दी गईं, 'कुत्ता', 'सूअर' जैसे शब्द कहे गए। भाषण देने के बाद बाहर ताज़ी हवा लेने गया था, तभी हमला हुआ। अगर विधायक ही विधान भवन की सीढ़ियों पर सुरक्षित नहीं हैं, तो विधायक रहने का क्या औचित्य है?

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सत्ता पक्ष के लोग 'अनपार्लियामेंटरी' शब्दों को 'पार्लियामेंटरी' बनाना चाहते हैं, जो लोकतंत्र के लिए घातक है।

उद्धव ठाकरे की मांग - क्या ये समर्थक हैं या गुंडे?

शिवसेना (उद्धव गुट) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा,

विधान भवन में हंगामा करने वाले समर्थक हैं या गुंडे? अगर राज्य की हालत ऐसी हो गई है, तो फिर विधान भवन का क्या महत्व रह जाता है? जिनके पास पास थे, उन पर कार्रवाई होनी चाहिए। अगर गृह मंत्री ऐसे गुंडों और उनके संरक्षकों पर कार्रवाई नहीं करते, तो फिर आप इस राज्य के मुख्यमंत्री कहलाने के योग्य नहीं।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की प्रतिक्रिया

मुख्यमंत्री फडणवीस ने भी इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि यह बिलकुल अनुचित है। यह विधान भवन अध्यक्ष और विधान परिषद सभापति के क्षेत्राधिकार में आता है। मैं चाहूंगा कि अध्यक्ष इस पर सख्त कार्रवाई करें। ऐसे दृश्य विधानसभा की गरिमा के अनुकूल नहीं हैं।

पडळकर ने जताया खेद

घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए विधायक गोपीचंद पडळकर ने कहा:

विधान भवन में घटी घटना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। एक विधायक के नाते मुझे इसका गहरा दुख है। मैं विधानसभा अध्यक्ष व सभापति से इस पर खेद प्रकट करता हूं और वरिष्ठ नेताओं से चर्चा कर आगे स्पष्टीकरण दूंगा।

विधानसभा में ७२ वरिष्ठ अधिकारियों और नेताओं के 'हनी ट्रैप' वीडियो का पेनड्राइव पेश

नाना पटोले ने की तुरंत कार्रवाई की मांग

मुंबई से रिपोर्ट: जमीर काज़ी

महाराष्ट्र में ७२ वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के 'हनी ट्रैप' में फंसने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। इसी मुद्दे पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और विधायक नाना पटोले ने गुरुवार को विधानसभा में संबंधित वीडियो का पेनड्राइव पेश किया और इस मामले की जानकारी सार्वजनिक करने की मांग की। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इसमें वर्तमान और पूर्व मंत्री तथा अन्य राजनीतिक नेता भी शामिल हैं।

पटोले ने कहा कि यह पूरा मामला नाशिक के एक आलिशान फार्महाउस में घटित हुआ है और इस पर नाशिक पुलिस द्वारा जांच जारी है। उन्होंने कहा, यह मामला पूरे राज्य में चर्चा का विषय बना हुआ है। आरोप है कि अधिकारियों और नेताओं से करोड़ों रुपये वसूले गए हैं। ऐसे में यह जरूरी है कि जनता को सच्चाई बताई जाए। हमारा उद्देश्य किसी की निजी जिंदगी या चरित्र को नष्ट करना नहीं है, लेकिन सरकार को इस पर विधानसभा में स्पष्ट बयान देना चाहिए।

शरद पवार गुट के नेता जयंत पाटील और जितेंद्र आव्हाड ने भी इस मामले की त्वरित जांच कर सच्चाई सामने लाने की मांग की। सूत्रों के अनुसार, 'हनी ट्रैप' में फंसे अधिकारियों में नाशिक, मुंबई, पुणे और ठाणे जिलों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। नाना पटोले ने कहा कि जो वीडियो उनके पास हैं, वे या तो हनी ट्रैप के हिस्सा हैं या फिर वरिष्ठ अधिकारियों की रंगीन हरकतों को दर्शाते हैं, लेकिन इस पर अभी तक पूरी स्पष्टता नहीं है।

बताया जा रहा है कि यह प्रकरण नाशिक के एक पंचतारांकित होटल में घटित हुआ था। इस मामले में मुंबई नाका पुलिस स्टेशन, नाशिक में एक महिला द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई थी। चूंकि वीडियो में कई वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी है, इसलिए अभी तक कोई भी सामने आकर खुलकर इस 'हनी ट्रैप' को स्वीकार नहीं कर रहा है, जिससे यह मामला अब तक रहस्य बना हुआ है।

एडवोकेट सय्यद अज़हर अली की महाराष्ट्र राज्य एवं गोवा नोटरी एसोसिएशन के राज्य समन्वयक पद पर नियुक्ति-बीड़ जिले का गौरव

बीड़, संवाददाता

बीड़ जिला वकील संघ के वरिष्ठ सदस्य, वरिष्ठ नोटरी तथा पूर्व जिला सरकारी वकील के रूप में प्रसिद्ध एडवोकेट सय्यद अज़हर अली साहब को महाराष्ट्र राज्य एवं गोवा नोटरी एसोसिएशन की प्रदेश कार्यकारिणी में राज्य समन्वयक पद पर नियुक्त किया गया है। उनकी इस नियुक्ति से बीड़ जिले की विधि क्षेत्र में प्रतिष्ठा और सम्मान बढ़ा है, और जिलेभर में हर्ष व्यक्त किया जा रहा है।

एडवोकेट सय्यद अज़हर अली साहब पिछले कई दशकों से विधिक क्षेत्र में सक्रिय हैं। अपनी ईमानदारी, गहन विधिक अध्ययन और सामाजिक सेवा के कारण उन्होंने समाज में एक विशिष्ट पहचान बनाई है। उनके अनुभव और नेतृत्व क्षमता को देखते हुए यह नियुक्ति अत्यंत उपयुक्त व प्रभावशाली साबित होगी - ऐसा विश्वास न्यायिक क्षेत्र के अनेक वरिष्ठ जनों ने व्यक्त किया है।

दैनिक तामीर की ओर से एडवोकेट सय्यद अज़हर अली को दिली मुबारकबाद

पांच वर्षों से हत्या के मामले में फरार आरोपी को पकड़ा गया - बीड़ शहर डीबी दस्ते की महत्वपूर्ण कार्रवाई

बीड(संवाददाता)

बीड़ शहर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार, हत्या के गंभीर प्रकरण में पांच वर्षों से फरार आरोपी विठ्ठल उर्फ सोनू प्रकाश काळवणे को पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया है।

उल्लेखनीय है कि आरोपी के खिलाफ पो.ठा. बीड़ शहर में अपराध क्रमांक १६५/२०१४ भारतीय दंड संहिता की धारा ३०२, ३०७, ५०४, ३४, २०१ के तहत मामला दर्ज था। इसमें आरोपी को अपनी ही बहन की हत्या (ऑनर किलिंग) के मामले में दोषी ठहराते हुए माननीय न्यायालय द्वारा आजीवन कारावास तथा १०,००० रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई गई थी। घटना वर्ष २०१४ की है, लेकिन सजा होने के बाद यह आरोपी पुलिस हिरासत से फरार हो गया था।

इस फरारी को लेकर उसके विरुद्ध पो.ठा. शिवाजीनगर, बीड़ में अपराध क्रमांक ७८१/२०१८ भा.दं.वि. की धारा २२४ के तहत नया मामला दर्ज किया गया था। साथ ही माननीय न्यायालय, बीड़ में CRPC की धारा २९९ के अंतर्गत कार्यवाही का प्रस्ताव भी प्रस्तुत किया गया था। आरोपी के लिए जिला स्तर का तलाश पत्र (C-11040) भी जारी किया गया था।

पुलिस अधीक्षक श्री नवनीत काँवत ने हाल ही में गंभीर मामलों में फरार आरोपियों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान शुरू किया है। इसी अभियान के अंतर्गत अपर पुलिस अधीक्षक श्री सचिन पांडकर के मार्गदर्शन में बीड़ शहर पुलिस थाना प्रभारी निरीक्षक श्री शितलकुमार बल्लाळ ने एक विशेष जांच दल का गठन किया।

इस दल में पुलिस उपनिरीक्षक महेश जाधव, पो.ह. गहिनीनाथ बावनकर, पो.अ. राम पवार शामिल थे। इस टीम ने सतर्कता से कार्रवाई करते हुए आरोपी विठ्ठल उर्फ सोनू काळवणे को ढूंढ निकाला और उसे हिरासत में ले लिया।

गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ आगे की कानूनी कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है और उसे माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा।

इस सफल कार्रवाई के लिए पुलिस अधीक्षक श्री नवनीत काँवत ने जांच दल एवं मार्गदर्शक अधिकारियों की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी है।

कोरोना फैलाने का इलज़ाम झेल रहे ७० तब्लीगी साथीयों को दिल्ली हाईकोर्ट ने किया बाइज़्ज़त बरी

दिल्ली(संवाददाता)

मार्च २०२० में लॉकडाउन के दौरान देशभर में तब्लीगी जमात से जुड़े विदेशी मेहमानों को अपने घरों में पनाह देने और कोरोना संक्रमण फैलाने के झूठे इलज़ाम में फँसाए गए देश के ७० मुस्लिम नागरिकों को आज दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ी राहत

मिली है। कोर्ट ने १७ जुलाई को इन तमाम मामलों को खारिज करते हुए सभी आरोपियों को सभी आरोपों से बाइज्ज़त बरी कर दिया।

गौरतलब है कि कोविड-१९ महामारी की पहली लहर के दौरान मीडिया और कुछ सत्ताधारी संगठनों की ओर से तब्लीगी जमात और उसके मेहमानों को लेकर ग़लत प्रचार किया गया था। देश के विभिन्न हिस्सों में मुस्लिम समुदाय के कई लोगों पर महामारी अधिनियम, आपदा प्रबंधन कानून, और अन्य धाराओं के तहत केस दर्ज किए गए थे।

इन ७० लोगों में दिल्ली, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना और कर्नाटक जैसे राज्यों के नागरिक शामिल थे, जिन्होंने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को खारिज करने की मांग करते हुए अदालत का दरवाज़ा खटखटाया था।

सुनवाई करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि इन मामलों में कोई पुख़्ता सबूत नहीं मिले और इन लोगों को बेवजह परेशान किया गया। कोर्ट ने यह भी कहा कि सिर्फ संदेह के आधार पर किसी धर्म विशेष को निशाना बनाना संविधान के मूल्यों के खिलाफ है।

इस ऐतिहासिक फैसले को न्याय की जीत और मुस्लिम समुदाय की बेगुनाही की पुष्टि माना जा रहा है। बरी किए गए सभी लोगों और उनके परिवारों ने इस फैसले का स्वागत किया है और कहा है कि न्याय मिलने में भले ही देर हुई, लेकिन आख़िरकार सच्चाई की जीत हुई।

धानोरा रोड टी पॉइंट क्षेत्र में नागरिकों का आक्रोश-संकेत कंपनी की जानबूझकर अनदेखी!

बीड़, संवाददाता (दिनांक १७ जुलाई २०२५)

धानोरा रोड टी पॉइंट इलाके में नाली निर्माण और गड्ढों की मरम्मत का काम लंबे समय से अधूरा पड़ा है। स्थानीय नागरिकों के अनुसार, संबंधित संकेत कंपनी जानबूझकर इस गंभीर समस्या की अनदेखी कर रही है।

जानकारी के अनुसार, बीते एक वर्ष से कंपनी इस काम को टालने के लिए अलग-अलग कारण बता रही है। गड्ढों और जलनिकासी की समस्या के कारण राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के मौसम में इन गड्ढों के कारण दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है, वहीं सड़कों पर जमा पानी से बीमारियों का खतरा भी मंडरा रहा है।

फुटपाथ व्यापारियों में नाराज़गी - जल्द ही कलेक्टर से करेंगे शिकायत

फुटपाथ पर छोटे व्यापार करने वाले लोग इस समस्या से सबसे अधिक प्रभावित हैं। उनके व्यवसाय पर असर पड़ रहा है, जिससे वे काफी नाराज़ हैं। व्यापारियों ने निर्णय लिया है कि वे जल्द ही कलेक्टर कार्यालय जाकर कलेक्टर महोदय से मुलाकात कर संकेत कंपनी के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज करवाएंगे। हमारी टिप्पणी -

जनता की मूलभूत सुविधाओं और नागरिक सुरक्षा की जिम्मेदारी जिन कंपनियों को सौंपी जाती है, उनका इस तरह का गैर-जिम्मेदाराना रवैया निंदनीय है। संकेत कंपनी की यह लापरवाही केवल समय की बर्बादी नहीं, बल्कि नागरिकों की जान और स्वास्थ्य से खिलवाड़ है। प्रशासन को इस मामले में तुरंत हस्तक्षेप कर जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

ज्ञानेश्वरी मुंडे से मिले सांसद बजरंग सोनवणे; भाई बनकर साथ देने का दिया भरोसा

बीड़ से रिपोर्ट: संवाददाता

परली के व्यापारी महादेव मुंडे की पत्नी ज्ञानेश्वरी मुंडे द्वारा बुधवार (१६ जुलाई) की सुबह बीड़ पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सामने पूरे परिवार के साथ आत्मदाह का प्रयास किए जाने की घटना के बाद वे बीड़ जिला अस्पताल के आईसीयू में भर्ती हैं। गुरुवार १७ जुलाई की शाम को सांसद बजरंग सोनवणे ने अस्पताल पहुंचकर उनकी मुलाकात ली और भावुक शब्दों में कहा –

मैं तुम्हारा भाई बनकर तुम्हारे साथ खड़ा हूं, तुम्हें न्याय दिलाने के लिए मैं पूरा संघर्ष करूंगा।

क्या है मामला?

परली के व्यापारी महादेव मुंडे की अक्टूबर २०२३ में नृशंस हत्या कर दी गई थी। इस घटना को १८ महीने से ज्यादा वक्त बीत गया है, लेकिन अब तक इस मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस जांच में हो रही देरी से निराश होकर ज्ञानेश्वरी मुंडे ने बुधवार सुबह बीड़ पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सामने अपने परिवार के साथ पेट्रोल

डालकर आत्मदाह करने की कोशिश की।

हालांकि मौके पर मौजूद पुलिस ने उन्हें रोक लिया। इसके बाद वे कार में बैठीं और वहीं फ्रूटी की बोतल में रखा कोई ज़हरीला पदार्थ पी लिया, जिससे वे वहीं गिर पड़ीं। तुरंत उन्हें पुलिस ने बीड़ के जिला सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका उपचार जारी है।

अस्पताल में पहुंचते ही सीधी भेंट

मुंबई से लौटते ही सांसद बजरंग सोनवणे बिना किसी कार्यक्रम के सीधे जिला अस्पताल पहुंचे। उन्होंने ज्ञानेश्वरी मुंडे से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने कहा –

ताई, आत्महत्या का विचार करने से पहले अपने बच्चों के चेहरे की ओर देखना था। उनके लिए मज़बूत बनो। अगर सरकार तुम्हें न्याय दिलाने में विफल हो रही है, तो इस संघर्ष में मैं तुम्हारे साथ हूं। तुम्हारा भाई बनकर तुम्हारी लड़ाई को कंधे से कंधा मिलाकर लड़ूंगा।

मां की चीख-पुकार और भावुक माहौल

ज्ञानेश्वरी मुंडे से मिलने के बाद सांसद सोनवणे ने महादेव मुंडे की मां से भी मुलाकात की। वे फूट-फूटकर रोने लगीं और कहा –मेरे बच्चों को न्याय दिलाओ, पुलिस कुछ नहीं कर रही है।

यह दृश्य देखकर वहां उपस्थित लोगों की आंखें नम हो गईं। खुद सोनवणे भी आंसू पोंछते हुए बोले –

मैं तुम्हारे साथ हूं, हिम्मत मत हारो।

इस पूरी घटना ने प्रशासन और समाज को झकझोर कर रख दिया है। अब देखना है कि न्याय के इस संघर्ष में प्रशासन क्या कदम उठाता है।

लोकसभा चुनाव भले ही हार गया, लेकिन बुझा नहीं-राज्यसभा सांसद अॅड.उज्वल निकम का विपक्ष पर तीखा प्रहार

रिपोर्ट: जमीर काज़ी, मुंबई (१७ जुलाई २०२५)

फेक नैरेटिव की वजह से भले ही मैंने लोकसभा चुनाव हार दिया हो, लेकिन मैं खत्म नहीं हुआ। पर 'उन्हें' यह बात समझ नहीं आई। यह तीखी प्रतिक्रिया राज्यसभा के नवनियुक्त सदस्य व वरिष्ठ अधिवक्ता अॅड. उज्वल निकम ने व्यक्त की और विपक्ष पर करारा हमला किया।

यह वक्तव्य उन्होंने उस समय दिया जब बुधवार शाम सांताक्रूज़ में भाजपा उत्तर मध्य मुंबई ज़िले की ओर से उनका सार्वजनिक सत्कार किया गया। इस मौके पर महाराष्ट्र के सांस्कृतिक कार्य मंत्री एड. आशीष शेलार का भी छत्रपति शिवाजी महाराज के १२ किलों को यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज लिस्ट में शामिल करवाने के कार्य में योगदान के लिए सत्कार हुआ।

भाषण में उज्वल निकम ने क्या कहा?

उन्होंने कहा,

मुंबई महानगरपालिका का आगामी चुनाव हमें जीतना है, लेकिन कार्यकर्ताओं को सतर्क रहना होगा। यह 'रात दुश्मन की है', क्योंकि फेक नैरेटिव और अफवाहें फैलाने वालों से बचना जरूरी है। लोकसभा चुनाव में भी इसी तरह झूठ फैलाया गया। मुझे कांग्रेस ने देशद्रोही घोषित किया – यह मेरे लिए गहरा आघात था। मैं देश के विरोध में सोच भी नहीं सकता। उस रात मुझे नींद नहीं आई।

मैं चाहता तो कोर्ट में जाकर उनके खिलाफ मानहानि का केस कर सकता था, पर इससे उन्हें ही ज्यादा प्रचार मिल जाता। इसलिए मैंने चुप्पी साधी। लेकिन भाजपा कार्यकर्ताओं को ऐसे झूठे प्रचार करने वालों से सतर्क रहना चाहिए।

आशीष शेलार का विपक्ष पर प्रहार

मंत्री एड. आशीष शेलार ने अपने भाषण में कहा:

जब राज्यसभा भेजने की बारी आई, तब शरद पवार के गुट ने मुंबई के लिए संघर्ष करने वाले वकील को नहीं भेजा, बल्कि उन वकीलों को भेजा जो मुंबई बम धमाकों के आरोपी याकूब और अन्य देशविरोधी तत्वों की पैरवी कर रहे थे।

भाजपा ने उस वकील को राज्यसभा भेजा जिसने याकूब मेमन और अजमल कसाब को फांसी दिलाने के लिए कानून के भीतर रहकर संघर्ष किया – यह है भाजपा और विपक्ष में फर्क।

ठाकरे गुट और कांग्रेस पर भी हमला

शेलार ने कहा,

ठाकरे गुट ने ऐसे व्यक्ति का प्रचार किया जो बम धमाकों की सज़ा काट चुका है, और कांग्रेस के विधायकों ने याकूब को फांसी न हो इसके लिए हस्ताक्षर अभियान चलाया। बाद में कांग्रेस ने उन्हें मंत्री भी बनाया। वो उद्धव ठाकरे की सरकार में मंत्री बने थे। यही भाजपा और अन्य दलों में बुनियादी फर्क है।

इस कार्यक्रम में विधायक पराग अळवणी, संजय उपाध्याय, जिलाध्यक्ष विरेंद्र म्हात्रे, सुशमा सावंत, महेश पारकर, एड. दिनानाथ तिवारी समेत कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

विधानसभा में 'गद्दार' कहने पर भिडीं शिवसेना के दोनों गुट

आदित्य ठाकरे के निलंबन की उठी मांग

रिपोर्ट: जमीर काज़ी, मुंबई

विधानपरिषद में बुधवार को उद्धव ठाकरे और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बीच हुई तीखी नोकझोंक का अगला दृश्य गुरुवार को विधानसभा में देखने को मिला। युवासेना प्रमुख आदित्य ठाकरे द्वारा शिंदे को 'गद्दार' कहे जाने पर शिंदे गुट के मंत्री और विधायक भड़क उठे।

विधानसभा में दोनों शिवसेना गुटों के बीच तीखी झड़प के चलते सदन की कार्यवाही १० मिनट के लिए स्थगित करनी पड़ी। इस विवाद के केंद्र में उपमुख्यमंत्री शिंदे और आदित्य ठाकरे रहे।

शिंदे ने अनुच्छेद २९३ के तहत सदन में अपने विचार रखे। इसके बाद ठाकरे गुट के विधायक भास्कर जाधव ने बोलने की अनुमति मांगी, लेकिन अध्यक्ष ने नियमों का हवाला देते हुए उन्हें अनुमति देने से इनकार कर दिया। तभी आदित्य ठाकरे सदन में पहुंचे और शिंदे तथा उनके विधायकों की ओर इशारा करते हुए कहा, अब इन गद्दारों की बात सुननी है क्या?

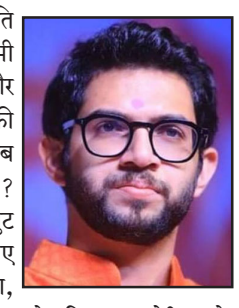

इस टिप्पणी के बाद शिंदे गुट के विधायक आक्रामक हो गए और सदन में हंगामा शुरू हो गया, जिससे कार्यवाही को १० मिनट के लिए रोकना पड़ा। एकनाथ शिंदे ने अपने भाषण में उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे का नाम लिए बिना कहा, मतदान से पहले मराठी-मराठी की बात और बाद में 'कोण रे तू?' (तुम कौन हो?) – यही इनकी शैली है। कोविड काल में खिचड़ी घोटाला और डेड बॉडी बैग की चोरी करने वाले लोग आज सत्ता पक्ष पर भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहे हैं।

उन्होंने यह भी कहा, मिठी नदी की गाद सफाई में हुए घोटाले के मामले में अभिनेता डिनो मोरिया से पूछताछ हो रही है। अगर उसने मुंह खोला, तो कई लोगों का 'मोरया' हो जाएगा।

शिंदे के वक्तव्य के बाद ठाकरे गुट के विधायक भास्कर जाधव व अन्य बोलने के लिए खड़े हुए, लेकिन विधानसभा अध्यक्ष ने उन्हें नियमों के तहत अनुमति नहीं दी। उसी समय आदित्य ठाकरे ने 'गद्दारों की बात सुननी है क्या?' कह कर माहौल और गर्म कर दिया। इस पर गुस्साए शंभुराज देसाई ने कहा कि आदित्य ठाकरे और भास्कर जाधव ने सदन में अनुचित व्यवहार किया है। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष की ओर इशारे किए, हाथ उठाए, जो मर्यादित आचरण नहीं है। देसाई ने दोनों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

एनसीपी प्रदेशाध्यक्ष सुनील तटकरे कल से मराठवाड़ा और पश्चिम महाराष्ट्र के दौरे पर

आठ जिलों में संगठनात्मक बैठकें और नागरिकों से संवाद

मुंबई । १७ जुलाई

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष और सांसद सुनील तटकरे १८ जुलाई से मराठवाड़ा और पश्चिम महाराष्ट्र के चार दिवसीय दौरे पर रवाना होंगे। इस दौरान पार्टी की ओर से 'नए अध्याय का संकल्प' अभियान के तहत आठ जिलों में पदाधिकारियों से संगठनात्मक बैठकें और नागरिकों से संवाद के कार्यक्रम तय किए गए हैं।

मुंबई में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सुनील तटकरे ने इस प्रस्तावित दौरे की जानकारी दी।

१८ जुलाई को दौरे की शुरुआत छत्रपति संभाजीनगर शहर और ग्रामीण जिलों की अमलदार बैठक से होगी जो सुबह ११:३० बजे से दोपहर १ बजे तक संत एकनाथ रंग मंदिर में आयोजित की जाएगी।

दोपहर १ बजे पत्रकारों से संवाद और नागरिकों से मुलाकात होगी।

इसके बाद शाम ३:३० बजे वे जलगांव जिले के एनसीपी कार्यालय में बैठक करेंगे और शाम ५ बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस और नागरिक संवाद का आयोजन होगा।

१९ जुलाई को सुबह १०:३० बजे हिंगोली के पदाधिकारियों के साथ महावीर भवन में बैठक, १२ बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस और १२:३० बजे नागरिकों से संवाद होगा।

शाम ४ से ५:३० बजे तक परभणी शहर और ग्रामीण जिले की बैठक अक्षदा मंगल कार्यालय में होगी, इसके बाद शाम ६ बजे प्रेस संवाद तय है।

२० जुलाई को बीड जिले की बैठक यशवंतराव चव्हाण नाट्यगृह में होगी, दोपहर १२ बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस और १२:३० बजे नागरिक संवाद होगा।

फिर दोपहर ३:३० से शाम ६ बजे तक लातूर शहर व ग्रामीण की बैठक कस्तूरी मंगल कार्यालय में होगी।

शाम ६ बजे सरकारी गेस्ट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस और ६:३० से ७ बजे तक नागरिकों से संवाद रखा गया है।

२१ जुलाई को दौरे का समापन उस्मानाबाद जिले के पदाधिकारियों के साथ सुबह ११ बजे की बैठक से होगा। दोपहर १२:३० बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस और फिर सोलापुर शहर व ग्रामीण की बैठक दोपहर ३ से ५ बजे तक हेरिटेज हॉल, गांधी नगर में होगी। अंतिम प्रेस कॉन्फ्रेंस शाम ५ बजे पार्टी कार्यालय में आयोजित की जाएगी।

इस प्रेस वार्ता में एनसीपी के कोषाध्यक्ष और विधायक शिवाजी राव गर्जे, महिला सेल की प्रदेशाध्यक्ष रूपाली ताई चाकणकर, पार्टी के मुख्य प्रवक्ता आनंद परांजपे और प्रदेश प्रवक्ता संजय तटकरे उपस्थित थे।

छात्रों की जुबानी, नक्शों की कहानी इकरा उर्दू हाई स्कूल सालार नगर में अभिनव गतिविधि, भूगोल विषय को मिली नई दिशा

जलगांव (अकिल खान ब्यावली)

इक़रा एजुकेशन सोसायटी के तत्वावधान में इक़रा उर्दू हाई स्कूल एवं जूनियर कॉलेज, सालार नगर में भूगोल विषय में छात्रों की रुचि बढ़ाने और उसकी गहराई से समझ विकसित करने हेतु एक नवोन्मेषी शैक्षणिक गतिविधि नक्शों की कहानी, छात्रों की जुबानी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य डॉ. हारून बशीर ने की, जबकि इस अवसर पर डॉ. इरफ़ान बशीर शेख (प्रमुख, भूगोल विभाग, थीम कॉलेज, जलगांव) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।इस अभिनव शैक्षणिक गतिविधि का मुख्य उद्देश्य छात्रों में भूगोल विषय के प्रति जिज्ञासा और उत्कृष्टता की भावना को विकसित करना था। कार्यक्रम की संयोजक शिक्षिका नफ़ीस.शेख इस्माईल ने इस गतिविधि को इस तरह से योजनाबद्ध किया कि कक्षा नवम और दशम के छात्रों को भारत की समस्त राज्यों की जानकारी प्रस्तुत करने हेतु विभाजित किया गया।प्रत्येक छात्र ने एक-एक राज्य का चयन कर, उसका भूगोलिक, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विवरण स्वयं निर्मित नक्शों के माध्यम से विस्तारपूर्वक प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों द्वारा निर्मित इन राज्य-विशेष नक्शों में राजधानी, प्रमुख स्थल एवं भौगोलिक विशेषताओं को रचनात्मक ढंग से दर्शाया गया।मुख्य अतिथि डॉ. इरफान बशीर शेख ने सभी छात्रों से राज्यों के बारे में जानकारी ली और उनकी तैयारी तथा प्रस्तुति की सराहना करते हुए कहा,यह मेरे लिए अत्यंत हर्ष की बात है कि इस प्रकार की अभिनव गतिविधि विद्यालय स्तर पर आयोजित की गई। इससे छात्रों में आत्मविश्वास तो बढ़ा ही है, साथ ही उनका ज्ञान भी व्यापक हुआ है।प्राचार्य डॉ. हारून बशीर ने इस अवसर पर कहा:

भूगोल एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है जो न केवल परीक्षाओं में सहायक होता है बल्कि जीवन की व्यावहारिक समझ को भी विस्तार देता है। प्रतियोगी परीक्षाओं में देश, राज्य और स्थलज्ञान से संबंधित प्रश्न सामान्यतः पूछे जाते हैं। इस प्रकार की गतिविधियां छात्रों के लिए अत्यंत लाभकारी होती हैं।

उन्होंने शिक्षिका नफ़ीस.शेख और सभी विद्यार्थियों को इस सफल आयोजन के लिए बधाई दी। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक गण रियाज़ अहमद शाह, ख़ान फरहत तबस्सुम मुबीन, डॉ. अनीसुद्दीन शेख अलाउद्दीन, सैयद सैफ़ अली, मुझकर अहमद, रमीज़ शेख अहमद और मीर नूर इक़बाल भी उपस्थित रहे, जिन्होंने छात्रों के परिश्रम और रचनात्मक अभिव्यक्ति की मुक्त कंठ से प्रशंसा की.

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com